महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र

चौकमाफी पीपीगंज गोरखपुर उत्तर प्रदेश २७३१६५

Mahayogi Gorakhnath Krishi Vigyan Kendra

Chaukmafi (Peppeganj), Jangal Kaudiya Gorakhpur, U.P-273165

Website : http://www.mgkvk.in Email: gorakhpurkvk2@gmail.com

डॉ विवेक प्रताप सिंह

विशेषज्ञ - पशुपालन

पशुओं में संक्रामक गर्भपातः

प्राचीन काल से संक्रामक गर्भपात गौवंशी पशुओं का घातक रोग समझा जाता है। यह रोग पशुओं की घनी आबादी वाले देशों में पाया जाता है और यह रोग संसार के उन अधिकांश भागों में पाया जाता है जहाँ पर गौवंशी पशु अधिक संख्या में है। गौवंशी पशु में गर्भपात का कारण प्रोटोजोआ परजीवी ट्राइकोमोनास फीटस भी होता है। इस रोग को ''बुसेल्लोसिस'' भी कहा जाता है।

लक्षण

इसका प्रमुख लक्षण गर्भ गिरना है यह गर्भधारण के 5–6 महीने में हो जाता है। गर्भपात के बाद गर्भनाल पशु के शरीर में ही रह जाता है। हल्का सा बुखार आना। योनी से बादामी रंग का स्त्राव निकलता है। अयन फूलकर लाल दिखाई पड़ने लगते हैं। पशुओं में कमजोरी आ जाती है।

रोकथाम

- 4–8 माह की आयु में पशु चिकित्सक के द्वारा इसका टीका दिया जाता है जो रोग से बचाता है।
- पशु के खान–पान पर विशेष ध्यान रखना चाहिए।
- पशुशाला की साफ–सफाई पर विशेष ध्यान रखना चाहिए।
- पशु को संतुलित आहार देना चाहिए।
- समय–समय पर पशु चिकित्सक की सलाह लेना चाहिए।
- पशुगृह में अधिक झुण्ड में पशुओं को न रखकर, कम संख्या में एवं खुले रूप में पशुओं को रखना चाहिए।